श्रम विभाग

ग्रादेश

दिनांक 28 ग्रगस्त, 1987

सं० ग्रो० वि०/एफ०डी०/140-87/34311.— चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं० हाडा स्टील प्रोडक्टस लि०, सैक्टर 15-ए/3, फरीदाबाद, के प्रधान हाडा स्टील मिल कमेटी मार्फत फरीदाबाद कामगार यूनियन, 2/7, गोपी कलोनी, पुराना फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई भौद्योगिक विवाद है:

ग्रीर चूंकि राज्यपाल हरियाणा इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं; इसलिये, ग्रब, ग्रीद्योगिक विवाद ग्रिधिनयम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के ग्रधीन गठित भौद्योगिक मधि-करण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/ मामले हैं ग्रथवा विवाद से मुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 6 मास में देने हेतू निर्दिष्ट करते हैं।

> क्या हाड स्टील प्रोडक्टस लि०, सैक्टर 15-ए/3, फरीदाबाद के प्रवन्धकों द्वारा संस्था को बन्द करने की कार्यवाही उचित है? यदि नहीं, तो निकाले गए श्रमिकगण किस राहत के हकदार है?

> > टी॰ डी॰ जोगपाल,

मायुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार, श्रम तथा रोजगार विभाग ।

श्रम विभाग

म्रादेश

दिनांक 8 सितम्बर, 1987

सैं० घ्रो. वि./एफ.डी./104-87/35426.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं० नवयुग सेरामिक्स एण्ड पोटरीज, प्लाट नं० 172, सैक्टर 24, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री राम सेवक, पुत्र श्री सलवन्त मार्फत नवयुग सैरामिक्स एण्ड पोटरीज इम्पलाईज यूनीयन, जी-162, इन्दरा नगर, सैक्टर 7, फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है,

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, ग्रब, भौद्योगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त ग्रधिनियम की धारा 7क के ग्रधीन गठित ग्रौद्योगिक ग्रधिकरण हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामलें जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामलें है ग्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामलें है न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री राम सेवक की सेवाध्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नही, तो वह किस राह्त का हकदार है?

सं. म्रो. वि./एफ. डी./104-87/35433.---चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं वि./एफ. डी./104-87/35433.---चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं वि. नवयुग सैरामिक्स एण्ड पोटरीज, व्लाट नं वि. 172, सैक्टर 24, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री प्रेम सागर, पुत्र श्री राम दास मार्फत नवयुग सैरामिक्स एण्ड पोटरीज इम्पलाईज यूनियन, जी-162, इन्द्रा नगर, सैक्टर 7, फरीदाबाद तथा प्रवन्धकों के मध्य इस में इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई घौद्योगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, ग्रव, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उकत ग्रिधिनियम की धारा 7क के ग्रधीन यठित ग्रौद्योगिक ग्रिधिकरण हिर्दियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रवन्धको तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले है ग्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले है ग्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेत् निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री प्रेम सागर की सेवाझों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

स० मो० वि०/भिवानी/134-87/35440. चूं कि हरियाणा के राज्यपाल कि राज्यपाल कि से मैं० सीमेन्ट कारपो-रशन माफ इण्डिया लि०. चरखी दादरी सीमेन्ट यूनिट, चरखी दादरी (भिवानी) के श्रीमिक श्री सज्जन सिंह, गांव व डा० रेबासा, जिला भिवानी तथा उसके प्रवस्का के बीच इसमें इसके बाट लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद हैं ;

र प्रीर चृकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिध्ट करना बांछनीय समस्ति है ;

इसिलये, ग्रज्ज, ग्रोडोिंगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 को उपधारा (1) के खाड़ (ग) द्वारा प्रतान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं० 9641-1-श्रम-78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970 के साथ गठित सरकारी ग्रिधिसूचना की धारा 7 के अधीन गणि श्रम न्यायालय, रिहतक को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन माम में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धको तथा श्रमिकों के बीच या ते विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत ग्रथवा सम्बन्धित है :—

वया श्री सरजन सिंह की सेवा समाप्ति /छंटनी न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. ग्रो. वि./एफ. डी./87-87/35447.--चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं० न्यू इण्डिया कनडयूट पाईप प्रा० लि०, 'लाट नं० 23, सैक्टर 24, परीदाबाद, के श्रमिक श्री राम कैंवल, पुत्र श्री लालू मार्फत हिन्द मजदूर सभा, 29, शहीद भीक, फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इस में इस के बाद लिग्दित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिन विवाद है :

ग्रीर चंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायितर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिए, ग्रब, ग्रीद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गर्दश्रीदियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7क के ग्रिधीन गठित ग्रीद्योगिक ग्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिदिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रिमकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं ग्रिथवा विवाद से मुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हैतु निर्दिष्ट करते है

क्या श्री राम, केंबल की सेवाश्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? ृयदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

ग्रार० एसः ग्रग्रवाल,

उप-सचिव, हरियाणा सरकार, श्रम विभाग ।